स्वच्छ भारत
सम्पूर्ण स्वच्छता की ओर

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA

Azadi Ka Amrit Mahotsav

G20 भारत 2023 INDIA

स्वच्छता समाचार

खंड 3 I अंक 8 I जून 2023

स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण न्यूज़लेटर

@swachhbharat @SBMGramin @SwachhBharatMissionGramin @swachh_bharat @swachhbharatgrameen

“व्यक्तिगत और सामुदायिक सोख्ता गड्ढों जैसे पर्यावरण के अनुकूल ग्रेवाटर प्रबंधन परिसंपत्तियों के निर्माण को गति देने के लिए सुजलम 3.0 अभियान शुरू किया गया है। पर्यावरण को सुरक्षित और संरक्षित करने में हमारी सहायता करते हुए, यह अभियान हमें अपने गांवों को ओडीएफ प्लस गांवों में बदलने में मदद करेगा, जिससे संपूर्ण वातावरण स्वच्छ होगा।”

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत
केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

30 मई, 2023 तक

ODF+

ODF+ भारत के 3,23,398 से अधिक बसे हुए गांवों ने स्वयं को ODF Plus घोषित किया है।

- उदीयमान: **2,27,442**
- उज्ज्वल: **35,658**
- उत्कृष्ट: **60,298**

1,76,657 गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है।
2,61,587 गांवों में तरल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है।
4,71,999 गांवों में अत्यंत कम गंदगी है।
4,61,893 गांवों में न्यूनतम बहुत कम पानी का भराव है।
देश भर में **596** गोबरधन संयंत्र पूरे हो चुके हैं।
939 प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयां स्थापित की गई हैं।

रेट्रोफिट टू ट्विन पिट अभियान: इस अभियान के तहत, 6,40,964 शौचालयों को रेट्रोफिट किया गया, जिनमें से **4,49,405** सिंगल पिट शौचालयों को ट्विन पिट शौचालयों में बदल दिया गया है और **1,91,559** सेप्टिक टैंक शौचालयों को एयर वेंट और सोख्ता गड्ढों से जोड़ा गया है।

सुजलम 3.0 अभियान
1182666 गंदला जल प्रबंधन संपत्ति की सूचना दी गई
898989 सोख्ता गड्ढे
78824 लीच पिट
125318 मैजिक पिट
79535 सामुदायिक सोख्ता गड्ढे

स्वच्छता पखवाड़ा

विद्युत मंत्रालय ने 16 से 31 मई के बीच स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। देश भर में आयोजित गतिविधियों में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, पर्यावरण स्वच्छता, मासिक धर्म स्वच्छता और प्रबंधन और कूड़ेदानों के वितरण पर केंद्रित प्रभात फेरियां शामिल थे।

इस अवधि के दौरान पखवाड़ा मनाने वाले अन्य मंत्रालयों में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत तीन विभाग: प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग, पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग और कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग शामिल थे।

झारखंड के गंगा सीमावर्ती गांवों में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

29 अप्रैल से 15 मई 2023 तक पूरे झारखंड में मनाए गए स्वच्छता पखवाड़े के तहत, झारखंड के साहिबगंज जिले में विभिन्न प्रकार की सफाई और ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों का आयोजन किया गया। यह झारखंड का एक मात्र ऐसा जिला है जो नमामि गंगे कार्यक्रम का एक हिस्सा है।

झारखंड के साहिबगंज जिले में गंगा नदी की सीमा से लगे 78 गांव हैं। राज्य स्तरीय अभियान के दौरान, साहिबगंज के जिला प्रशासन ने नदी और उसके किनारों पर स्वच्छता को बढ़ावा देने और प्रदूषण को रोकने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।

आईईसी गतिविधियों में ये शामिल थीं; स्वच्छता रैलियां, निबंध लेखन, ड्राइंग और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं; गंगा आरती, नारा लेखन, स्वच्छता की शपथ दिलाना; और पौधों का रोपण। विभिन्न स्कूलों और संस्थाओं के बड़ी संख्या में छात्रों ने इन गतिविधियों में भाग लिया और विभिन्न विभागों के समर्थन में स्वच्छता की शपथ ली। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विभागों ने प्रत्येक शाम को आरती देखकर इस अभियान में सहयोग प्रदान किया।

संपर्क करें: sbmg.jhar@gmail.com

पंजाब के स्कूलों में मनाया गया विश्व हाथ स्वच्छता दिवस

5 मई 2023 को, पंजाब के स्कूलों ने विभिन्न शैक्षणिक और जागरूकता बढ़ाने वाली गतिविधियों के साथ विश्व हाथ स्वच्छता दिवस मनाया। इस अभियान के दौरान संक्रामक रोगों को फैलने से रोकने के लिए नियमित रूप से हाथ धोने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

जहां कुछ स्कूलों में उचित हाथ धोने की तकनीक सिखाने के लिए हाथ स्वच्छता प्रदर्शन और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए वहीं, अन्य में छात्रों को अच्छी हाथ स्वच्छता प्रथाओं के लाभों के बारे में शिक्षित करने के लिए पोस्टर बनाने वाली प्रतियोगिताओं और जागरूकता अभियानों का आयोजन किया गया।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

कम उम्र से ही बच्चों में हाथ की स्वच्छता की अच्छी आदतें एक स्वस्थ और स्वच्छ समाज को बढ़ावा देती हैं। छात्रों को हैंड सैनिटाइज़र और साबुन का नियमित रूप से उपयोग करने और हाथों की स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। हाथों की स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस तरह के छोटे लेकिन प्रभावशाली प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में एक स्वस्थ और स्वच्छ समाज को बढ़ावा देने की दिशा में अत्यधिक उपयोगी सिद्ध होंगे।

संपर्क करें: cds.sanitation7@gmail.com

तमिलनाडु ने शुरू किया नम्मा ओरु सुपरू अभियान

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

पिछले साल के सफल स्वच्छता अभियान के बाद, तमिलनाडु ने एक बार फिर राज्य भर के ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित स्वच्छता प्रथाएं और सफाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नम्मा ओरु सुपेरु (हमारा गांव सबसे अच्छा है) अभियान शुरू किया है। यह अभियान 1 मई से 15 जून 2023 तक आयोजित किया जा रहा है।

इस वर्ष के अभियान का उद्देश्य पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ और स्वच्छ गांवों को सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य की प्रगति को मजबूत करना है। इसके अलावा, पुराने कचरे के प्रभावी प्रबंधन और राज्य के रेट्रोफिटिंग लक्ष्य को प्राप्त करने पर जोर दिया जाएगा। इसमें स्वच्छता से संबंधित कार्य करने वाले श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य और कल्याणकारी उपाय भी शामिल होंगे।

जहां जिलों में इस अभियान की देखरेख के लिए ग्राम-स्तरीय समितियों का गठन किया गया है, वहीं राज्य ने सभी विभागों से अभियान में सहयोग करने और इसकी सफलता सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। लागू की जाने वाली गतिविधियों में शामिल हैं: सार्वजनिक संस्थानों/स्थानों की बड़े पैमाने पर सफाई; पानी, स्वच्छता और कचरा प्रबंधन के संबंध में स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता; स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्यों के माध्यम से घरों और संस्थाओं में पानी, स्वच्छता और कचरा प्रबंधन के बारे में जागरूकता; एकल उपयोग प्लास्टिक (एसयूपी) पर प्रतिबंध और वैकल्पिक उपयोग; और वृक्षारोपण तथा अन्य सफाई गतिविधियां जो गांवों को स्वच्छ और हरा-भरा बनाएंगी।

संपर्क करें: tnsbmg@gmail.com

जल शक्ति मंत्री ने एसबीएम-जी असम की सर्वोत्तम प्रथाओं पर पुस्तिका का विमोचन किया

जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्वोत्तर राज्यों में एसबीएम-जी और जेजेएम के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा के लिए 1 मई, 2023 को गुवाहाटी, असम में आयोजित एक बैठक में 'एसबीएम-जी असम की सर्वोत्तम प्रथाएं' नामक एक पुस्तिका का विमोचन किया।

बैठक में डीडीडब्ल्यूएस की सचिव श्रीमती विनी महाजन; अपर सचिव एवं मिशन निदेशक- जेजेएम, श्री विकास शील; और डीडीडब्ल्यूएस के संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक - एसबीएम-जी, श्री जितेंद्र श्रीवास्तव; और लोक स्वास्थ्य एवं इंजीनियरिंग मंत्री, श्री जयंत मल्लाबरुआ तथा केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, श्री कैलाश चौधरी और केंद्र तथा राज्य सरकार के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

22 पन्नों की इस पुस्तिका में असम की ओडीएफ प्लस यात्रा में दिलचस्प केस स्टडी, सर्वोत्तम प्रथाओं और अभिनव दृष्टिकोण को दर्शाया गया है। इसमें एसबीएम-जी के चरण-II संबंधी दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न कार्यक्षेत्रों के तहत ओडीएफ प्लस पहलों के कार्यान्वयन का विवरण भी शामिल है।

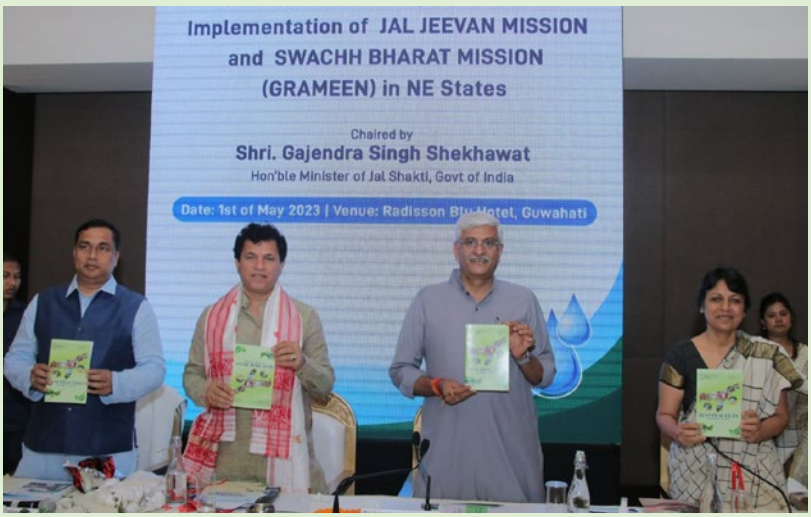

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

संपर्क करें: sbmg.assam@gmail.com

ओएसएसएस वाश मित्र वॉश सुविधाओं की समय पर मरम्मत और रखरखाव सुनिश्चित करते हैं

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

ओडीएफ प्लस परिसंपत्तियों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, महाराष्ट्र की 'वन-स्टॉप शॉप एंड सर्विसेज (OSSS) वाश मित्र' पहल, वॉश सुविधा मरम्मत और रखरखाव के क्षेत्रों में युवाओं को व्यापक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करती है।

स्कूलों में स्वच्छता और सफाई, छात्रों में सीखने की क्षमता को बढ़ाने, विशेष रूप से छात्राओं के बीच स्कूल छोड़ने (ड्रॉपआउट) की दर को कम करने, बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार और बीमारी को रोकने के लिए आवश्यक है। तथापि, उपलब्ध सुविधाओं के खराब संचालन और रखरखाव के अलावा, अपर्याप्त पानी, स्वच्छता और सफाई (WASH) सुविधाओं की कमी और दोषपूर्ण विद्युत फिटिंग, टूटे हुए फर्नीचर, अवरुद्ध नालियों और लीक करते पाइपों वाली कोई भी शैक्षणिक संस्था अपने लक्ष्यों को पर्याप्त रूप से पूरा नहीं कर सकती है।

स्कूलों में वॉश संबंधी बुनियादी ढांचे के रखरखाव के लिए समाधान खोजने के लिए, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन (PEF), सेंटर फॉर यूथ डेवलपमेंट एंड एक्टिविटीज (CYDA) और यूनिसेफ महाराष्ट्र ने महाराष्ट्र के 14 जिलों में स्कूलों/संस्थाओं और ग्राम पंचायतों में सेवा प्रदाताओं के रूप में युवा वॉश उद्यमियों (YWE) के माध्यम से सरकारी स्कूलों में संचालन और रखरखाव मांग सह सेवा संकट का निराकरण करने के लिए वन-स्टॉप शॉप एंड सर्विसेज (OSSS) वॉश मित्र पहल शुरू की।

OSSS WASH Mitra स्कूलों में WASH सुविधाओं को कार्यात्मक रखने में मदद करता है, जिससे छात्रों को स्कूलों में रहने, जीवन के लिए स्वच्छता आदतों का निर्माण करने और स्वस्थ रहने में मदद मिलती है। ऐसा करने में, OSSS पहल का उद्देश्य युवाओं के कैडर का निर्माण करके स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और जल जीवन मिशन का समर्थन करना है जो वॉश सेवाओं को बेहतर बनाने और बढ़ाने में मदद कर सकते हैं और स्वच्छता तथा सुविधाओं के रखरखाव में सुधार के उद्देश्य से चल रहे प्रयासों को बढ़ा सकते हैं।

संपर्क करें: ykabir@unicef.org

बेनीपुर में स्थित FSTP 11 ग्राम पंचायतों को सेवाएं प्रदान करता है

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (एसबीएम-जी) अभियान के तहत उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले की बेनीपुर ग्राम पंचायत (जीपी) में 1.92 एकड़ क्षेत्र में 3 केएलडी (किलोलीटर प्रति दिन) क्षमता के फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (FSTP) का निर्माण किया गया। यह संयंत्र, जो 11 ग्राम पंचायतों और एक नगर पंचायत के समूह को सेवा प्रदान करने के साथ-साथ 6,30,503 व्यक्तियों की आबादी को सुविधा प्रदान करता है, वर्ष 2021 से चालू है।

क्लस्टर की 11 ग्राम पंचायतों में जंगल रामनगर, जंगल टीकरी, टिकरिया, सरायखेमा, महमूदपुर, परसावा, खरौना, थौरा, सरवनपुर, रायभा और बेनीपुर शामिल हैं। अब तक, 156 बार डीस्लजिंग टैंकरों द्वारा 752500 लीटर मलीय गाद को उपचार सुविधा केंद्र तक लाया गया है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

13 अक्टूबर 2022 को बेनीपुर FSTP के संचालन और रखरखाव (O&M) के लिए जिला पंचायत राज विभाग और 11 पंचायतों के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए थे। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तारीख से की जिम्मेदारी संबंधित पंचायतों द्वारा ले ली गई है। वर्तमान में ओ एंड एम के लिए मुख्य हितधारक जिला पंचायत राज अधिकारी, अमेठी और 11 ग्राम पंचायतें हैं।

संपर्क करें: FarrukhKhan@wateraid.org

बिहार में जारी है स्वच्छता से समृद्धि का काम

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

जन भागीदारी और सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने; उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह और गुणवत्तापूर्ण ODF Plus सेवा वितरण में तेजी लाने की दृष्टि से, बिहार में स्वच्छता से समृद्धि नामक तीन महीने का एक व्यवहार परिवर्तन संचार (BCC) अभियान शुरू किया गया है।

अप्रैल से जून 2023 के बीच आयोजित किए जा रहे अभियान का फोकस सभी जिलों के सभी गंगा ग्रामों और ग्राम पंचायतों में पुराने कचरे और प्लास्टिक के कचरे को साफ करने पर है। इस संबंध में, जल निकायों, गंगा घाटों और अन्य सार्वजनिक स्थानों को कवर करते हुए स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं।

इस अभियान के तहत, राज्य भर में अप्रैल से जून 2023 के महीनों के दौरान 10 दिन (प्रत्येक महीने की 15 से 24 तारीख तक) स्वच्छता और सफाई संबंधी जागरूकता अभियान के लिए समर्पित किए जा रहे हैं। अभियान का पहला चरण 15 से 24 अप्रैल 2023 के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

राज्य ने विभिन्न सामुदायिक जागरूकता गतिविधियों में शामिल किए जाने वाले स्वच्छता पर्यवेक्षकों, स्वच्छता कार्यकर्ताओं, स्वच्छाग्रहियों, स्वयं सहायता समूह (जीविका दीदियों) के सदस्यों, फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं, सामुदायिक प्रभावशाली लोगों और अन्य हितधारकों का सहयोग सूचीबद्ध किया है।

संपर्क करें: sc.iec@lsba.in

राज्य की वाणी

श्री. के टी बालाभास्करन,
कार्यकारी निदेशक
सुचित्व मिशन, केरल

केरल ने कचरा प्रबंधन के लिए एक डिजिटल समाधान अपनाकर शून्य-अपशिष्ट राज्य के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाई है। यह कचरा प्रबंधन का कार्य और अधिक कुशलता से करने के हमारे प्रयासों के अनुरूप है जिसमें हरित कर्म सेना (ग्रीन टास्क फोर्स) और संबद्ध सेवाओं के माध्यम से डोर-टू-डोर संग्रह सेवा की दक्षता बढ़ाना शामिल है।

हरित केरलम मिशन ने सुचित्व मिशन के साथ मिलकर पिछले साल हरित मित्रम् स्मार्ट गार्बेज मॉनिटरिंग सिस्टम ऐप नाम से एक स्मार्ट कचरा निगरानी प्रणाली शुरू की थी। यह ऐप प्रत्येक कचरा संबंधी स्रोत से उत्पादन की मात्रा, इसके संग्रहण, परिवहन और विभिन्न अन्य विस्तृत प्रक्रियाओं को कवर करने वाले विभिन्न कार्यात्मक पहलुओं की समय-समय पर निगरानी के माध्यम से हरित कर्म सेना की गतिविधियों और कचरा प्रबंधन संबंधी कार्यों को सुव्यवस्थित करने में मदद करता है।

यह ऐप जनता को एक विशेष मॉड्यूल के माध्यम से प्रक्रिया में सीधे भाग लेने में सक्षम बनाता है और इस तरह कचरा प्रबंधन संबद्ध सेवाओं में सुधार के क्षेत्र की पहचान करने के लिए स्थानीय स्वशासन संस्थाओं (LSGI) के लिए एक मंच का निर्माण करता है।

पंजाब के सुल्तानपुर में GWM ने स्वच्छता बढ़ाई है, स्वास्थ्य में सुधार किया है

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

ग्रेवाटर प्रबंधन (जीडब्ल्यूएम) खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ जल प्रबंधन प्रथाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू है। पंजाब के मलेरकोटला जिले के सुल्तानपुर गांव ने ग्रेवाटर प्रबंधन की दिशा में एक प्रभावी कदम उठाया है जिसने गांव को सुंदर बनाने, इसके निवासियों के स्वास्थ्य में सुधार करने और तालाब की क्षमता बढ़ाने में योगदान दिया है।

एसबीएम-जी के तहत 11.95 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त करके अपशिष्ट स्थिरीकरण तालाब का निर्माण 2020 में पूरा किया गया था।

सुल्तानपुर का विस्तार 261 हेक्टेयर में है और इसमें 230 परिवार हैं जिनकी आबादी 1141 है, उनका मुख्य व्यवसाय कृषि है। वर्ष 2017 में ODF घोषित होने के बाद, यह गांव अपनी ODF स्थिति को बरकरार रखे हुए है और अब एसबीएम-जी के चरण II को ध्यान में रखते हुए ठोस और तरल कचरा प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

गांव में मुख्य चुनौतियों में से एक चुनौती 2 एकड़ का गंदा तालाब था जहां से दुर्गंध निकलती थी जिससे समुदाय के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा होता था। इस संबंध में, जिला प्रशासन के सहयोग से एक व्यापक कार्य योजना बनाई गई।

संपर्क करें: cds.sanitation7@gmail.com

झारखंड दिसंबर 2023 तक अपने सभी गांवों को ओडीएफ प्लस सुनिश्चित करेगा

अधिक पढ़ने के लिए, **यहाँ क्लिक करें**

समन्वयकों, ठेकेदारों, ISA भागीदारों और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

झारखंड में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (एसबीएम-जी) अभियान की प्रगति की समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए 9 मई 2023 को एक बैठक की थी कि दिसंबर 2023 तक अपने सभी गांवों को ओडीएफ प्लस घोषित करने के लिए क्या करने की आवश्यकता है।

झारखंड में 24 जिले शामिल हैं जिन्हें 5 कमिश्नरियों या प्रशासनिक प्रभागों अर्थात् दक्षिण छोटानागपुर, उत्तर छोटानागपुर, कोल्हान, पलामू और संथाल परगना में विभाजित किया गया है।

ऑटो क्लस्टर-आदित्यपुर में 9 मई को आयोजित कोल्हान कमिश्नरी की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता डीडीडब्ल्यूएस - झारखंड के सचिव डॉ. मनीष रंजन ने की और इसमें डॉ. नेहा अरोड़ा (IAS) – एसबीएम-जी झारखंड के अपर सचिव-सह-निदेशक और सभी कार्यकारी अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य सचिव - पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला -खरसावां और सहायक अभियंताओं, कनिष्ठ अभियंताओं की टीम, जेजेएम और एसबीएम-जी के सभी जिला

संपर्क करें: sbmg.jhar@gmail.com

राज्य के दौरे

जम्मू एवं कश्मीर: सचिव-डीडीडब्ल्यूएस ने इस संघ राज्य क्षेत्र में एसबीएम-जी और जेजेएम के कार्यान्वयन की समीक्षा करने और विभिन्न चुनौतियों को समझने के लिए 23 और 24 अप्रैल 2023 को जम्मू का दौरा किया। उन्होंने नगरोटा ब्लॉक के धोक वजीरन गांव का भी दौरा किया, जो ODF Plus उदीयमान श्रेणी में है। नवनिर्मित कचरा संग्रह केंद्र का उद्घाटन किया, जहां एक बेलिंग मशीन स्थापित की गई थी। इसके बाद हुई सामुदायिक बैठक में लगभग 200 पुरुष, महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे।

सचिव-डीडीडब्ल्यूएस ने सुरे-चक ग्राम पंचायत, ब्लॉक मंडल फलियां में चक लालू शाह गांव का भी दौरा किया, जो एक उत्कृष्ट ODF Plus गांव है। वहां उन्होंने 45 सह सामुदायिक बायो गैस प्लांट देखा और उसकी प्रक्रिया और O&M योजना को समझने के लिए कार्यान्वयन एजेंसी (SWAHA) टीम के सदस्यों के साथ बातचीत की। इसके बाद हुई राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में संयुक्त सचिव और एसबीएम-जी के राष्ट्रीय मिशन निदेशक श्री जितेंद्र श्रीवास्तव ने भी भाग लिया।

असम: केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, ने सभी पूर्वोत्तर राज्यों में जेजेएम और एसबीएम-जी की प्रगति की समीक्षा के लिए 1 मई, 2023 एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश बायतु और असम सरकार के PHED मंत्री श्री जयंत मल्ला भी उपस्थित थे। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत 01/10/22 से 31/03/23 तक अर्ध-वार्षिक प्रदर्शन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 2 जिलों को सम्मानित किया गया। इस बैठक में डीडीडब्ल्यूएस की सचिव श्रीमती विनी महाजन, श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक और असम के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान 'एसबीएम-जी असम की सर्वोत्तम प्रथाएं' नामक एक पुस्तिका का विमोचन किया गया।

1 मई को संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक ने असम में गुवाहाटी जिले के छायागांव ब्लॉक में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई, एक गांव-स्तरीय ठोस कचरा प्रबंधन सुविधा और ग्रेवाटर प्रबंधन के लिए बनाए गए सोख्ता गड्ढों का दौरा किया।

मणिपुर: 2 मई 2023 को, सचिव, डीडीडब्ल्यूएस ने जल जीवन मिशन और एसबीएम-जी के तहत किए गए कार्यों की प्रगति को देखने के लिए मणिपुर में इम्फाल पश्चिम जिले के यारू बामडियार गांव का दौरा किया। उन्होंने कोंथा अहल्लुप और थारोइजाम गांवों का भी दौरा किया।

मेघालय: संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक ने ग्रामीण मेघालय में ओडीएफ प्लस उपलब्धियों का आकलन करने के लिए पूर्वी खासी जिले के मावडियांगडियांग और उमरोह गांवों में सामुदायिक भंडारण शेड और घरेलू स्तर पर ग्रेवाटर प्रबंधन व्यवस्था का भी दौरा किया।

बिहार: सचिव-डीडीडब्ल्यूएस ने श्री जितेंद्र श्रीवास्तव (संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक) के साथ 5 मई को पटना, बिहार का दौरा किया। उन्होंने RDD सचिव श्री बाला मुरुगन डी. और एसबीएम-जी बिहार के मिशन निदेशक श्री राहुल कुमार; और मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी से मुलाकात की। उन्होंने कचरा संग्रहण और प्रसंस्करण में लगे स्वच्छता कर्मियों के साथ बातचीत की और सिकंदरपुर गांव में कचरा प्रसंस्करण इकाई (डब्ल्यूपीयू) को देखा। उन्होंने बिहटा ब्लॉक में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई और मनरेगा के तहत बनाए गए अमृत सरोवर और ठोस कचरा प्रबंधन इकाई को भी देखा। सचिव ने संयुक्त सचिव सह मिशन निदेशक और अन्य राज्य अधिकारियों के साथ बिहटा के पुरुषोत्तमपुर पैनाठी गांव में एक वृक्ष का पौधा भी लगाया।

ओडिशा: 19 और 20 मई को ओडिशा की अपनी दूसरे दिन की यात्रा पर, सचिव-डीडीडब्ल्यूएस ने डीडब्ल्यूएण्डएस विभाग के निदेशक-सह-अपर सचिव श्री बी. परमेश्वरन के साथ गंजम जिले के सासन अंबागम, बदियाम्बगाम और सिंदुरापल्ली गांवों का दौरा किया।

ओडिशा में जेजेएम और एसबीएम-जी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के संबंध में ओडिशा के मुख्य सचिव श्री प्रदीप जेना और सचिव-डीडीडब्ल्यूएस की सह-अध्यक्षता में सभी जिला कलेक्टरों के साथ एक आभासी समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

सचिव-डीडीडब्ल्यूएस ने वीडब्ल्यूएससी सदस्यों, महिला ड्राइवरों और कचरा संग्रहकर्ताओं के साथ भी बातचीत की और चतरापुर ब्लॉक में सिंदुरापल्ली गांव, चामकांडी ग्राम पंचायत और गंजम ब्लॉक में मल्लाड ग्राम पंचायत में कचरे के स्रोत पर पृथक्करण के महत्व पर जोर दिया और स्थानीय लोगों के साथ बातचीत की।

संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक- डीडीडब्ल्यूएस ने भुवनेश्वर में एक ट्रांसजेंडर एसएचजी समूह द्वारा संचालित और प्रबंधित 75 केएलडी के एफएसटीपी और सुजानपुर ग्राम पंचायत के हसनपुर गांव में सामग्री संग्रहण सुविधा का दौरा किया और समुदाय के साथ बातचीत की।

ODF Plus पहलें

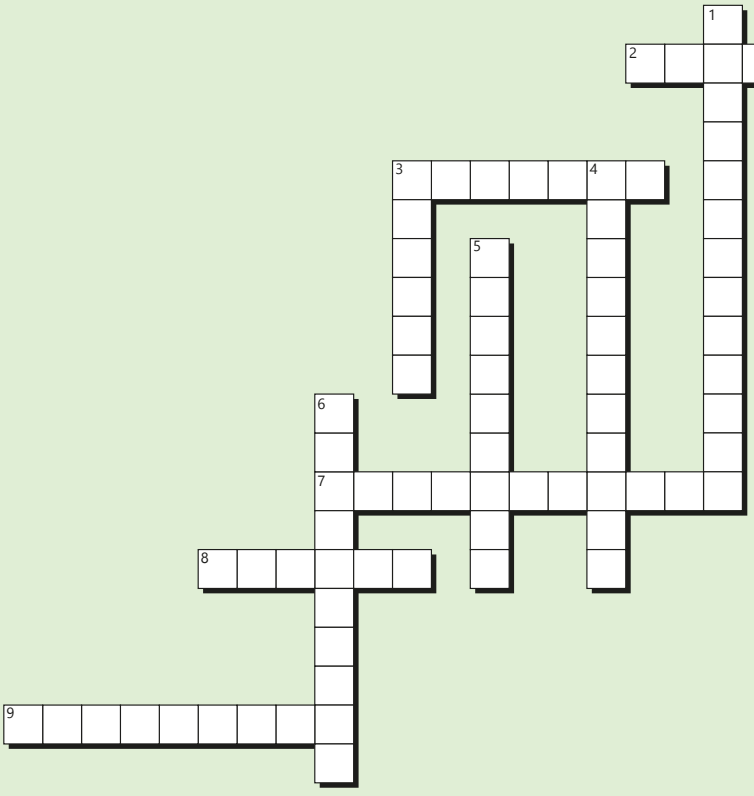

ACROSS
2. Safe disposal of Faecal Sludge
3. Septic tank should be attached to
7. Sorting of wet and dry waste at source
8. One of the 'R's in Plastic Waste Management
9. Treatment of animal dung and agricultural waste

DOWN
1. GWM at household level, where fruits and vegetables can be grown
3. DDWS campaign for Greywater Management
4. Safe disposal of menstrual waste
5. IEC messages promote
6. The process of removing sludge from a tank, pit, or another storage unit

Answers:
ACROSS: (2) Twinpit (3) Soakpit (7) Segregation (8) Reduce (9) Gobardhan
DOWN: (1) Kitchengarden (3) Sujlam (4) Incinerator (5) Awareness (6) Desludging

स्वच्छता समाचार

सचिव की कलम से

मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (MHM), बालिकाओं की गरिमा की रक्षा करते हुए और उन्हें लैंगिक दृष्टि से समान दुनिया प्राप्त करने के अपने सपनों को आगे बढ़ाने के अवसर प्रदान करने के लिए उनकी सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसलिए MHM को एसबीएम-जी में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में शामिल किया गया है। यह सुरक्षित मासिक धर्म स्वच्छता प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के लिए घरों और स्कूलों में शौचालयों के निर्माण की आवश्यकता को रेखांकित करता है। इसमें कौशल विकास और स्कूलों तथा सार्वजनिक शौचालयों में सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसर और भस्मक (Incinerators) स्थापित करने का भी आह्वान किया गया है।

श्रीमती विनी महाजन
सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय

मिशन निदेशक की कलम से

विभिन्न राज्यों के हालिया दौरों में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के सभी क्षेत्रों में जबरदस्त काम देखा गया है। स्पष्ट है कि स्वच्छ और संपूर्ण भारत के निर्माण के लिए अंतिम छोर की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऐप, रथ, पखवाडा आदि के रूप में कई नवाचार और अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। 2.95 लाख से अधिक ODF Plus गांवों और 580 से अधिक पूर्ण किए गए गोबरधन संयंत्रों के साथ, हमें अभी भी इस दिशा में बहुत कुछ करना है। लेकिन मुझे विश्वास है कि कोविड के बाद के परिदृश्य में, जहां स्वच्छता और सफाई हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन गई है - ग्रामीण समुदाय भी जिस नई सामान्य स्थिति को अपनाने लगे हैं, उससे हमें एसबीएम-जी के उद्देश्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

श्री जितेंद्र श्रीवास्तव
संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (एसबीएम-जी)
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय

स्वच्छता समाचार के अगले अंक में योगदान करने के लिए, हर महीने की 15 तारीख से पहले **swachhbharat@gov.in** अपनी प्रस्तुति साझा करें।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

विशेष सचिव का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार।

चौथी मंजिल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, CGO कॉम्प्लेक्स,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
फोनः 011–24362192 | ईमेलः arun.baroka@nic.in